जयपुर में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 14 आरोपियों को स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप ने बुधवार को कोर्ट में पेश किया। इस दौरान कोर्ट परिसर में मौजूद वकील आरोपियों को देखकर आक्रोशित हो गए और पुलिस की मौजूदगी में ही उनसे मारपीट कर दी। वकीलों ने नारेबाजी करते हुए आरोपियों पर बेरोजगारों का हक मारने की बात कही। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने बीच बचाव किया और बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

कोर्ट परिसर में वकीलों ने पेपरलीक आरोपियों को पीटा

पेपरलीक की जांच कर रहे स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने गिरफ्तार किए सभी 14 आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया

- आरोपियों को देखकर वकील भड़क गए और आरोपियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस को आरोपियों को आक्रोशित वकीलों से बचा कर जज के सामने ले जाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी।
- अदालत ने हालांकि आरोपियों को 12 मार्च तक रिमांड में दे दिया, पर एस.ओ.जी. से यह भी पूछा कि, आरोपियों को अवैध हिरासत में क्यों रखा और धारा 41 ए के प्रावधानों का पालन क्यों नहीं किया गया।

जयपुर, 6 मार्च। सब इन्स्पैक्टर (एस.आई.) भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 14 आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के लिए ले जाते समय वकीलों ने पीट दिया। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने आरोपियों का बीच बचाव करते हुए उन्होंने कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 12 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने पेपर लीक मामले में बुधवार को गिरफ्तार 14 ट्रेनी एस.आई. नरेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, करणपाल गोदारा, विवेक भांभू, मनोहर लाल, गोपीराम, श्रवण कुमार, रोहिताश्व कुमार, प्रेम सुखी, एकता, भगवती, राजेश्वर, नारंगी और चंचल कुमारी को मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट महानगर, द्वितीय के समक्ष पेश किया। अदालत में पेशी के लिए ले जाते समय आरोपियों को देखकर वकील भड़क गए और उन्होंने आरोपियों से मारपीट की। जब पुलिस ने बीच-बचाव किया तो वकील पुलिस से भी भिड़ गए। कुछ ही देर में कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील हो गया और चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात कर दी गई। वकीलों ने नारेबाजी करते हुए आरोपियों पर बेरोजगारों का हक मारने का आरोप लगाया। सुनवाई के दौरान एक महिला आरोपी के परिजन तीन माह की बच्ची के साथ अदालत में हाजिर हुए। उन्होंने कहा कि आरोपी महिला की तीन माह की बच्ची है। ऐसे में उसे रिमांड पर नहीं भेजा जाए।

इससे पहले एस.ओ.जी. ने सुरक्षा के बीच आरोपियों को अदालत में पेश कर उनका पुलिस रिमांड मांगा। इसका विरोध करते हुए आरोपियों के अधिवक्ता विपुल शर्मा और वेदांत शर्मा सहित अन्य ने कहा कि एस.ओ.जी. इस प्रकरण में मनमानी कर रही है। आरोपियों को तीन और चार मार्च को पकड़ा, लेकिन 24 घंटे के भीतर अदालत में पेश नहीं किया। इसके अलावा प्रकरण सात साल से कम सजा से जुड़े हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में तय कर रखा है कि ऐसे मामलों में सी.आर.पी.सी. की धारा 41ए के तहत पुलिस गिरफ्तारी से पूर्व नोटिस देगी या उसे तत्काल गिरफ्तारी का कारण बताना होगा। इस मामले में एसओजी ने इसकी अवहेलना की है।

इस पर अदालत ने मामले में एस.ओ.जी. से 12 मार्च तक स्पष्टीकरण मांगा है कि आरोपियों को गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर अदालत में पेश क्यों नहीं किया गया। इसके साथ ही अदालत ने यह भी बताने को कहा है कि प्रकरण में सी.आर.पी.सी. की धारा 41ए के प्रावधानों की पालना क्यों नहीं की गई। हालांकि अदालत ने आरोपियों को 12 मार्च तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया।

सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने में साधु संतों की महती भूमिका- मुख्यमंत्री भजन लाल

गोपाल क्रैडिट कार्ड से पशुपालकों को 1 लाख रू. का ब्याज मुक्त ऋण मिल रहा है

- साधु-संतों ने ई.आर.सी.पी. तथा यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।
- मु.मंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि, राज्य सरकार ने ढाई माह के कार्यकाल में प्रदेश में पानी की समस्या को दूर करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया है। पूर्वी राजस्थान के लिए ई.आर.सी.पी. तथा शेखावाटी के लिए ताजेवाला हैडवर्क्स परियोजना की सौगात दी गई है।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने गौ भक्त एवं संत समाज की सभा को वर्चुअल (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) तौर पर संबोधित किया। दरअसल, मु.मंत्री भजनलाल करोना पॉजिटिव हो गये हैं, तथा करोना क्वारेंटीन के नियमों का पालन कर रहे हैं, इसलिए मुख्यमंत्री अपने ओ.टी.एस. स्थित आवास से प्रशासनिक एवं सार्वजनिक कार्यों को निपटा रहे हैं।

जयपुर, 6 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, संत-महात्माओं के आदर्श जीवन से प्रेरणा पाकर हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है और सनातन धर्म, संस्कृति को बढ़ावा देने में संतों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, सरकार गौवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा पशुधन के कल्याण हेतु राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं द्वारा पशुपालकों को लाभान्वित कर रही है।

भजनलाल शर्मा ने ओ.टी.एस. स्थित मुख्यमंत्री निवास से बुधवार को संत समाज-गौभक्तों की आभार सभा को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम में आए साधु-संतों ने गौमाता के हितों के लिए किए गए निर्णयों, ई.आर.सी.पी. तथा यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने ढाई माह के अल्प कार्यकाल में पानी की समस्या को दूर करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया है। पूर्वी राजस्थान के लिए ई.आर.सी.पी. परियोजना तथा शेखावटी क्षेत्र के लिए ताजेवाला हैडवर्क्स के ऐतिहासिक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर, साथ ही, उदयपुर में देवास बांध परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के माध्यम से दक्षिण राजस्थान में भी जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गोवंश संरक्षण के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की है जिसके तहत पशुपालकों को 1 लाख रूपए तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। सरकार ने पशुधन के लिए मोबाइल वैटरनरी यूनिट की भी शुरूआत की है। इन यूनिट्स के माध्यम से पशुओं को समय पर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम में बुधगिरी मढ़ी (फतेहपुर शेखावाटी) के पीठाधीश्वर एवं गोसेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश गिरी महाराज ने राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि सनातन धर्म संस्कृति तथा गौसेवा संरक्षण के लिए राज्य सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच तथा उनके नेतृत्व के कारण यह संभव हो सका है।

समारोह में गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद सी.पी. जोशी, सुमेधानंद सरस्वती, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, रेवासा धाम पीठाधीश्वर राघवाचार्य महाराज, संत गोविंद वल्लभ महाराज, रघुनाथ भारती सहित बड़ी संख्या में साधु-संत उपस्थित थे।

राहुल गांधी को भाषणों में "सतर्कता" बरतने की सलाह दी चुनाव आयोग ने

- चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नया नोटिस जारी किया है कि, जिसमें चुनाव प्रचारों के दौरान संयमित और मर्यादित भाषा का उपयोग करने की सलाह दी गई है।
- दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ गत वर्ष फैसला सुनाते हुये चुनाव आयोग को राहुल गांधी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया था।
- चुनाव आयोग ने वही नोटिस दोबारा राहुल गांधी को जारी किया है, चुनाव आयोग ऐसा ही एक नोटिस राहुल गांधी के खिलाफ पहले भी जारी कर चुका है।

नई दिल्ली, 6 मार्च। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अपने सार्वजनिक बयानों में सतर्क रहने की सलाह जारी की है। चुनाव आयोग ने कहा है कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भविष्य में अपने सार्वजनिक बयानों में अधिक सावधान और सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले चुनाव आयोग से कहा था कि, वह पिछले साल नवंबर में अपने भाषण के लिए कांग्रेस सांसद के खिलाफ उचित कार्रवाई करे। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा नेताओं पर हमला करते हुए "जेबकतरे" शब्द का इस्तेमाल किया था। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री मोदी पर "पनौती" और जेबकतरे वाले तंज को लेकर राहुल गांधी को नोटिस भी जारी किया था।

सूत्रों का कहना है कि, चुनाव आयोग ने इस साल एक मार्च की अपनी सलाह दोहराई और कहा कि, चुनाव प्रचार के दौरान इसका गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। राहुल गांधी कांग्रेस के स्टार प्रचारक हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 21 दिसंबर, 2023 के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश और राहुल गांधी के जवाब सहित प्रधानमंत्री के खिलाफ कुछ टिप्पणियों से संबंधित सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद, भारत के चुनाव आयोग ने सलाह दी है कांग्रेस नेता भविष्य में अधिक सावधान और सतर्क रहें।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से सार्वजनिक बयान देते समय सभी दलों, स्टार प्रचारकों और उम्मीदवारों को आयोग की सलाह का ध्यान रखने को कहा है। चुनाव आयोग ने पिछले सप्ताह सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक प्रचार में मर्यादा और अत्यधिक संयम बनाए रखने और चुनाव प्रचार के स्तर को बढ़ाने के लिए एक सलाह जारी की थी। सूत्रों ने कहा कि, चुनाव आयोग आगामी चुनावों में समय और सामग्री के संदर्भ में दिए जाने वाले नोटिस पर फिर से काम करने के लिए उचित आधार के रूप में सलाह के अनुसार किसी भी अप्रत्यक्ष एमसीसी उल्लंघन का आकलन करेगा। बता दें कि, जल्द ही लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने वाला है। माना जा रहा है अप्रैल और मई में देशभर में वोट डाले जाएंगे। कुछ ही दिनों में चुनाव आयोग तारीखों की घोषणा कर सकता है। मुख्य मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का विपक्ष के गठबंधन वाले इंडिया अलायंस से होगा।

23 करोड़ किसानों ने फसल बीमा दावों का लाभ लिया

नई दिल्ली 6 मार्च (वार्ता)। पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 56 करोड 80 लाख किसानों के आवेदन पंजीकृत किए गए और 23 करोड़ 22 लाख से अधिक किसानों को उनके दावों का भुगतान किया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि, इस दौरान किसानों ने प्रीमियम के अपने हिस्से के रूप में लगभग 31 हजार 139 करोड़ रुपये चुकता किये, जिसके आधार पर उन्हें 1,55,977 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान दावे के रूप में किया गया। इस प्रकार, किसानों द्वारा भुगतान किए गए प्रत्येक 100 रुपये के प्रीमियम के लिए उन्हें लगभग 500 रुपये दावे के रूप में दिये गये।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मांग आधारित योजना है और यह राज्यों के साथ-साथ किसानों के लिए भी स्वैच्छिक है। वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान किसान आवेदनों की संख्या में साल-दर-साल क्रमश: 33.4 प्रतिशत और 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, वर्ष 2023-24 के दौरान, अब तक योजना के तहत नामांकित किसानों की संख्या में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बैंगलुरू शहर में चौंकाने वाली सूखे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं है। तब तक यहां के निवासियों के लिए यह कठिन स्थिति है। कई लोग पानी की सप्लायी को लेकर ऐसे प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं कि कई रेज़िडैन्शियल गेटेड कम्युनिटीज़ ने पानी की राशनिंग शुरू कर दी है और कार धोने पर कठोर प्रतिबंध लगा दिए हैं। हाउसिंग कॉम्प्लैक्सेज़ के भीतर पानी के उपयोग को सीमित किया जा रहा है। पानी की सप्लायी को नियमित करने के लिए राज्य सरकार भी हरकत में आ गई है। उसने प्राइवेट टैंकर्स को अपने नियंत्रण में ले लिया है। कर्नाटक के यातायात विभाग ने सोमवार और मंगलवार को आर.टी.ओ. को निर्देश दिए कि वह प्राइवेट टैंकर्स को जब्त कर उनका उपयोग पेयजल व शहर की अन्य आवश्यक जरूरतों की आपूर्ति को नियमित करने के लिए करें। बैंगलुरू वॉटर सप्लायी एण्ड सीवरेज बोर्ड (बी.डब्ल्यु.एस.एस.बी.) को घर-घर पानी सप्लाई करवाने में मदद देने के लिए आर.टी.ओ. ने दो दिनों में 163 टैंकर जब्त किए। शहर के 16 आरटीओज़ में से प्रत्येक ने 210 से 15 वॉटर टैंकर जब्त कर शहर की आवासीय कॉलोनियों में जल आपूर्ति में मदद की।

सरकार प्राइवेट टैंकर्स को नियंत्रित करने व उनके द्वारा वसूली जाने वाली कीमत को नियमित करने की प्रक्रिया में है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पानी के टैंकरों के मालिकों को पहले ही चेतावनी दे दी है कि यदि उन्होंने 7 मार्च तक आर.टी.ओ. में रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया तो उनके वाहन जब्त कर लिए जाएंगे।

राज्य सरकार को हस्तक्षेप कर कठोर कदम उठाने पड़े क्योंकि मानसून के दौरान हुई कम बारिश के कारण कई आवासीय कॉलोनियों में पानी की किल्लत की खबरें थीं और पानी की भारी मांग को देखते हुए प्राइवेट वॉटर टैंकर मंगवाना भी एक चुनौतीपूर्ण काम था। साउथ बैंगलौर स्थित एक आवासीय कॉलोनी के एक पदाधिकारी ने बताया कि शहर में आवासीय प्रॉपर्टीज़ में हुई बेशुमार वृद्धि और पानी की मांग में तेजी से वृद्धि के कारण ऐसी स्थिति बनी, और अल्प वर्षा ने समस्या बढ़ा दी।

चूंकि लग्ज़री गेटेड अपार्टमैंट कॉम्प्लैक्स प्राइवेट वॉटर टैंकर्स पर निर्भर थे, इसलिए वे विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं क्योंकि अब जल बोर्ड ने पानी के वितरण को सीमित कर दिया है। शहर की पॉश कनकपुरा रोड स्थित एक प्रतिष्ठित अपार्टमैंट ने अपने निवासियों को सलाह दी है कि वह डिस्पोसेबल प्लेट्स व वैट वाइप्स का इस्तेमाल कर पानी की बचत करें।

एक अन्य हाई राइज़ बिल्डिंग कॉम्प्लैक्स ने अपने निवासियों के लिए पानी के उपयोग को सीमित कर उसकी राशनिंग कर दी है और किसी भी निवासी को कार आदि धोते हुए पाए जाने पर उस पर 5 सौ रूपए जुर्माने का प्रावधान भी किया है। इस कॉम्प्लैक्स के सिक्योरिटी गार्ड्स से भी कहा गया है कि वे नियमों की पालना ना करने वाले लोगों को चिन्हित करें।

संयोगवश, रैज़िडैंट वैलफेयर एसोसिएशन ने अपने सदस्यों को सूचित किया है कि आर.टी.ओ. और बी.डब्ल्यु.एस.एस.बी. प्राधिकरण वॉटर टैंकर्स जब्त कर रहे हैं जिसे जलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। पानी उन क्षेत्रों में सप्लायी किया जा रहा है, जहां इसकी जबर्दस्त किल्लत है। कई बोरवैल भी सूख गए हैं, जिसका मतलब है कि शहरवासियों को मानसून का इंतजार करना पड़ेगा, जो अभी तीन महीने दूर है।

श्रीकांत जेना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवन के समय से ही वह एक कांग्रेसी रहे हैं तथा सभी संदेह एवं गलतफहमियां दूर की जा चुकी हैं। वह कांग्रेस में अपनी वापसी पर प्रसन्न है।

इस पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि सत्तारूढ़ बीजू जनता दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच एक "अपवित्र" गठबंधन होने के बावजूद ओडिशा में कांग्रेस मजबूत बनकर सामने आएगी। उन्होंने टिप्पणी की कि उक्त दोनों पार्टियों के बीच एक औपचारिक गठबंधन संभवत: जल्दी ही किया जाएगा किन्तु इन दोनों के बीच एक अलिखित करार है।

उन्होंने जनता के लिए सामाजिक एवं आर्थिक न्याय की मांग को लेकर देश के कोने-कोने में घूमने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सराहना की।

जेना ने कांग्रेस में शामिल होने का अंतिम निर्णय लेने से पहले पार्टी अध्यक्ष खड़गे और ए.आई.सी.सी. महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की थी।

कांग्रेस भी जल्द जारी करेगी लिस्ट, सौ उम्मीदवारों के नाम सामने आयेंगे

- पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार कांग्रेस की सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी की बैठक सात मार्च को शाम छः बजे होगी।

नई दिल्ली, 6 मार्च। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पहली लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत 195 नाम हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी भी आम चुनाव के लिए जल्द ही अपनी पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इसके लिए कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बृहस्पतिवार को बैठक होगी जिसमें 100 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग सकती है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी कि, सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की बैठक सात मार्च को शाम छह बजे होगी।

इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि, प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी की रायबरेली से चुनाव मैदान में उतर सकती हैं। उधर, राहुल गांधी अमेठी समेत दो सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने वाली कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की पहली बैठक 7 मार्च को शाम 6 बजे होगी।" सीईसी की बैठक में विभिन्न स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा भेजे नामों में से उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कुछ अन्य राज्यों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि, सीईसी की बैठक में करीब 100 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार होगा और प्रत्याशियों की पहली सूची कुछ दिनों के भीतर जारी हो सकती है।

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा था कि, सात मार्च को सी.ई.सी. की बैठक के बाद लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की घोषणा होने की उम्मीद है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी के अलावा समिति में शामिल अन्य नेता बैठक में शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि, कांग्रेस ने अभी तक आम चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

डॉनल्ड ट्रम्प का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनना तय हुआ

वाशिंगटन, 6 मार्च (वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प अलास्का से जीत की ओर अग्रसर होने के साथ ही आगामी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गये हैं।

एनबीसी न्यूज ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनबीसी न्यूज के मुताबिक ट्रम्प को 9,200 से अधिक यानी 87.6 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि उनकी इकलौती प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली को केवल 12 प्रतिशत वोट मिले। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत हेली सभी राज्यों में ट्रम्प से हारती दिख रही हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को 15 रिपब्लिकन प्राइमरी में से 13 में जीत हासिल कर ली है जबकि यूटा राज्य के परिणाम अब भी शेष हैं।

वर्षों बाद चैन की नींद सोएंगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदेशखाली स्थित शाहजहां के घर पहुंची थी। राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री फिलहाल ई.डी. की हिरासत में हैं जहाँ सरकार की राशन वितरण स्कीम्स के फण्ड्स में हेराफेरी को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

लेकिन, इस दौरान जो तथ्य सामने आए, उनके सामन पूर्व की सभी जांच पड़ताल बौनी साबित होने लगी। संदेशखाली के एस.सी. व एस.टी. लोगों के साथ शाहजहां और उसके सहअपराधियां द्वारा किए गए कुकृत्यों का भण्ड़ा फोड़ हुआ। यह पता चला कि शाहजहां और तृणमूल कांग्रेस के उसके सहअपराधी यहां वर्षों से अपनी अवैध गतिविधियां चला रहे थे।

तृणमूल के नेता स्थानीय लोगों की जमीनों पर कब्जे कर रहे थे, उनसे धन ऐंठ रहे थे और यह भी सामने आया कि स्थानीय महिलाओं से एक सुनियोजित तरीके से बलात्कार किए जा रहे थे।

स्थानीय महिलाओं के आंदोलन के कारण ही ये अपराध नज़र में आए। महिलाएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आयीं और उन्होंने तृणमूल के गुण्ड़ों को तुरन्त प्रभाव से गिरफ्तार करने की मांग की। इनके विरोध प्रदर्शन करने की मांग की। इनके विरोध प्रदर्शन पर ना केवल बंगाल बल्कि पूरे देश की नज़र गई।

विरोध, जैसे-जैसे तीव्र होता गया, आरोपियों की सम्पत्तियों में आग लगाई जाने लगी। ऐसा लगा जैसे कि तृणमूल के गुण्ड़ों की धमकियां व भय भी इस भाग की भेंट चढ़ गए। महिलाओं के विरोध प्रदर्शन के कारण ही प्रशासन का हरकत में आकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार करना पड़ा।

शाहजहां को सी.बी.आई. के सुपुर्द करने के साथ ही क्षेत्र की महिलाओं को राहत की सांस मिली है, लेकिन उन्हें आशंका है कि इस मामले में यदि केन्द्र सरकार का दखल नहीं रहा तो राज्य सरकार शाहजहां को छोड़ देती और उनकी स्थिति और भी खराब हो जाती।

प्रधानमंत्री ने भी संदेशखाली के एक निकटवर्ती क्षेत्र का दौरा किया था। उनका भी यह मानना था कि तृणमूल कांग्रेस ने इन तत्वों को प्रोत्साहित कर भारी पाप किया है।

मु.मंत्री भजन लाल शर्मा करोना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यक्रमों में वर्चुअल तरीके से सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है।

उन्होंने लिखा है कि "स्वास्थ्य सम्बधी समस्या के चलते स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जिसमें मेरी रिपोर्ट कोविड पॉज़िटिव आई है। मैं सेल्फ आइसोलेशन में हूं और चिकित्सकों के परामर्श का पूर्णत: पालन कर रहा हूं एवं आगामी सभी कार्यक्रमों में वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित रहूंगा।" करोना संक्रमित होने के कारण मुख्यमंत्री बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

मुख्यमंत्री के करोना पॉज़िटिव होने की खबर से विभिन्न दलों के नेताओ ने एक्स के माध्यम से उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की। राज्यपाल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा, कन्हैयालाल चौधरी सहित कई नेताओं ने मुख्यमंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को संदेश जारी किया और लिखा कि "दोपहर से आप लोगों द्वारा मेरे स्वास्थ्य लाभ के लिए की गई अनेकों अनेक प्रार्थनाएं किए जाने एवम फोन और सोशल मीडिया से कुशल क्षेम के अनेकों संदेश मिल रहे हैं। आपके इस प्रेम से मैं अभिभूत हूं, आपके इस प्रेम से आइसोलेशन में भी अकेलेपन की अनुभूति नहीं हो रही है। इसके लिए मैं आप सब का व्यक्तिश: धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूं।"

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को सलाह दी कि, "मेरी आप सब से प्रार्थना है कि इस ऋतु मे मौसमी रोगों के प्रसार की संभावनाओं को देखते हुए आप सब भी सावधानी बरतें एवं किसी भी रोग के लक्षण आने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श ले।"

उन्होंने कहा, विगत कुछ वर्षों से कोविड भी मौसमी बीमारियों की सूची में सम्मिलित हो गया है, परंतु यह संतोष का विषय है कि भारत सरकार द्वारा चलाए गए वैक्सिनेशन अभियान और आमजन की सहभागिता से देश प्रदेश में इस रोग की भयावहता पर प्रभावी अंकुश लगा है। फिर भी हम सब को प्रयास करना चाहिए कि कोविड और अन्य मौसम जनित रोगों की रोकथाम के लिए सावधानी पूर्वक व्यवहार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं कोविड जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक डाक्टरों की सलाह पर आइसोलेशन में ही रहूंगा तथा फोन एवम वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से जनहित के आवश्यक कार्यों में अपने दायित्व का यथासंभव निर्वहन करूंगा। एक बार फिर आप सब का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह आपको स्वस्थ और सुखी बनाए रखें।"

अलवर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लिया गया। बैठक में ई.एस.आई.सी. के सात अस्पतालों का निर्माण करने को मंजूरी दी गई। ये अस्पताल उत्तर प्रदेश के मेरठ और बरेली में, मध्य प्रदेश के पीथमपुर, कर्नाटक के हरोहल्ली, नरसापुरा व बोम्मासंदरा में होंगे, जिनके निर्माण की लागत 1128.21 करोड़ रू. आएगी। इन अस्पतालों के निर्माण के बाद ई.एस.आई.सी. की मौजूदा चिकत्सा सुविधाओं में 800 बिस्तरों की बुनियादी तौर पर वृद्धि हो जाएगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908